www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 161 | जौनपुर सोमवार, 25 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

नीतिगत उदासीनता की बेड़ियों को तोड़ा, बीमारू से विकास का ग्रोथ इंजन बना : सीएम योगी

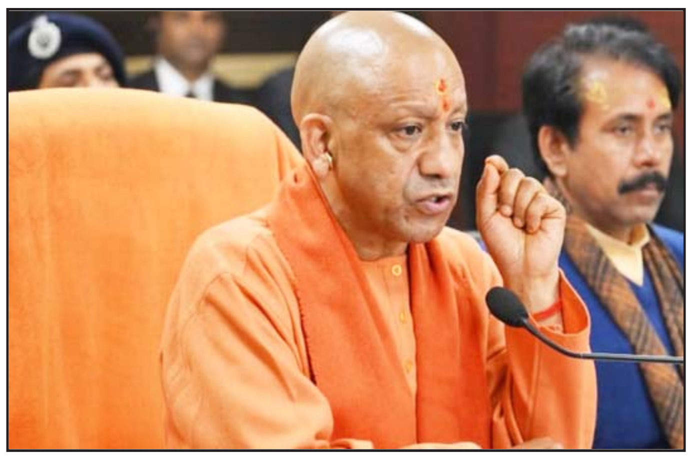

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी दिवस पर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा–उत्तर प्रदेश के मेरे बहनों और भाइयों, आप सभी को उत्तर प्रदेश दिवस की हार्दिक बधाई। असीम संभावनाओं का हमारा प्रदेश आज संघर्ष और नीतिगत उदासीनता की बेड़ियों को तोड़ते हुए बीमारू से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। असीम संभावनाओं का हमारा प्रदेश आज संघर्ष और नीतिगत उदासीनता की बेड़ियों को तोड़ते हुए बीमारू से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना है।

श्रीअयोध्या धाम की आस्था, मथुरा की महिमा और काशी की कल्याणकारी दिव्यता से सुशोभित विरासत और विकास की पुण्यभूमि उत्तर प्रदेश के 77वें स्थापना दिवस की सभी प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश का ग्रोथ इंजन नया उत्तर प्रदेश आज नए भारत की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का पथ–प्रदर्शक बन गया है। आइए, हम सब मिलकर निवेश, नवाचार और संस्कार की इस भूमि को आत्मनिर्भरता के सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करने का संकल्प लें।मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक उत्तर प्रदेश को 'बीमारू राज्य' के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज वही प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला प्रमुख केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में अराजकता, भ्रष्टाचार और कानून–व्यवस्था की बदहाली आम बात थी, जिससे विकास बाधित होता था। लेकिन आज उत्तर प्रदेश एक सुरक्षित, निवेश के अनुकूल और विकासशील राज्य के रूप में उभरा है।

15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं : अमित शाह

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। भारत के विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं। यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। 65 एकड़ में पहले कूड़े का पहाड़ था। भाजपा सरकार ने कूड़े को

कंचन में बदला है। शाह ने सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच जिलों को सम्मानित किया। कहा कि सीएम युवा योजना से युवाओं को ऋण देने की व्यवस्था है। अब तक 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया गया। विधानसभा चुनाव की बात करते हुए कहा कि मैं 2017 को याद करूंगा। यूपी का घोषणा पत्र बना रहा था। इसमें ओडीओपी को शामिल किया। डबल इंजन सरकार का काम यूपी ही नहीं पूरे देश में फैल गया है। रोजगार का साधन बना है। आज यहां ओडीओसी का मेला लगा है। विश्व प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजन पूरी दुनिया को मिलेगा। इस मौके पर गृहमंत्री ने शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मानित किया। कहा कि आज हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। इनको लंबे समय से सुनता आया हूं। सरदार पटेल योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह 10 खराब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में काफी उपयोगी होगी। अलग–अलग चरण में इसका काम होगा। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा। देशभर में जाने वाले को यूपी में रोजगार की व्यवस्था होगी। अपने माता–पिता की सेवा करें। शाह ने आगे कहा पीएम के नेतृत्व में सीएम योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा। कांग्रेस, सपा, बसपा ने बीमारू राज्य को ब्रेक थ्रू राज्य बनाया है।

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि गणतंत्र दिवस पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक 27 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राम अक्षयवर द्विवेदी
ग्राम-पुरे ऋषि
पोस्ट- बेला पश्चिम
जिला- सुल्तानपुर
(उ0प्र0)
मो -9140426984

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शिक्षोन्नयन संस्थान परिवार डा. सुशील चंद तिवेदी मधुपेश प्रबन्धक
अल्लीपुर, हरदोई
उ0प्र0
मो0 9452079330

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र 'देश की उपासना परिवार' की ओर से सभी जौनपुर जनपदवासियों एवं प्रदेश वासियों तथा देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

सम्पादक

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डा. अशोक कुमार शुक्ल
(असिस्टेंट प्रोफेसर)
गनपत सहाय पी. जी. कालेज
सुल्तानपुर

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मेसर्स अगवाल एंटरप्राइजेज
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
प्रथम श्रेणी,
कान्टेक्टर

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विजय सिंह
मेसर्स वी. के. कंस्ट्रक्शन
सुल्तानपुर,
उत्तर प्रदेश

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

पंडित ऋषि शर्मा
समाजसेवी,
अयोध्या

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डाक्टर मनोज कुमार मिश्रा
जय मां विंध्यवासिनी मेडिकल स्टोर
निकट समुदाय स्वास्थ्य केंद्र स्थित बेवा
जनपद सिद्धार्थ नगर
मो. 9838881121

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डा. तपन चौधरी
जनरल फिजिशन
शहनवां,
अयोध्या

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी कन्हैया लाल, सहायक अभियंता सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. अरुण सिंह राणा, अधिशासी अभियंता सिंचाई यांत्रिक विभाग
जौनपुर

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डा. विकास चौधरी
अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवा बजरंगी चौक चौराहा जनपद सिद्धार्थ नगर मो. 9627929933

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी . जयप्रकाश
सहायक अभियंता
सिंचाई यांत्रिक
विभाग, वाराणसी

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जूनियर इं अजीत कुमार नन्द,
सिंचाई विभाग
जौनपुर

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जूनियर इं शेर सिंह विश्वकर्मा,
सिंचाई विभाग
जौनपुर

संपादकीय

बैडमिंटन टूर्नामेंट गैर–जरूरी विवाद से घिरा

2026 में भारत वर्ल्ड चौंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का भी दावेदार है। इस बीच विदेशी खिलाड़ियों की शिकायतों से भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण प्रबंधन क्षमता को लेकर खराब छवि बन सकती है। भारत की मेजबानी व्यवस्था पर डेनमार्क के खिलाड़ियों के गंभीर सवाल उठाने से इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट गैर–जरूरी विवाद से घिर गया है। भारतीय जनमत के एक हिस्से ने आलोचनाओं को सहज स्वीकार नहीं किया है। बल्कि किंडबी श्रीकांत जैसे बड़े खिलाड़ी जवाब देने के अंदाज मे यह बताने की हद तक चले गए हैं कि डेनमार्क में व्यवस्था भारत से कहीं खराब रहती है। बहरहाल, ऐसे जवाबों से मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होगा। नजरिया सुधार का नहीं रहा, तो उसका असर भविष्य में भारत की खेल मेजबानियों पर पड़ सकता है। विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी और चार बार के वर्ल्ड चौंपियनशिप पदक विजेता एंडर्स एंटोनसन नई दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट में भाग लेने नहीं आए। विवाद हुआ, तो दिल्ली के एक्यूआई डेटा का स्क्रीन शॉट सोशल मीडिया पर डालते हुए कहा कि यह बैडमिंटन खेलने के लिए उपयुक्त नहीं है। टूर्नामेंट में ना आने के कारण बैंटमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने उन पर 5000 डॉलर का जुर्माना लगाया है। बहरहाल, टूर्नामेंट में आईं डेनमार्क की ही खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने प्रशिक्षण स्थल जाधव इंडोर स्टेडियम और प्रतियोगिता स्थल इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गंदगी और धूल की शिकायत की। कहा कि यह खेल योग्य स्वस्थ माहौल नहीं है। इसी विवाद के बीच इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेल के दौरान बंदर के घुस आने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। 2026 में भारत वर्ल्ड चौंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है। उसके पहले अंतरराष्ट्रीय ख्याति के खिलाड़ियों की इस तरह की शिकायतें दुर्भाग्यपूर्ण हैं। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी गंभीर दावेदार है। इस बीच विदेशी खिलाड़ियों की शिकायतें भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण प्रबंधन क्षमता को लेकर नकारात्मक छवि बना सकती हैं। उससे भारत के खुद को स्पोर्ट्स हब के रूप में पेश करने के प्रयासों पर खराब असर हो सकता है। इसलिए भारत को इन शिकायतों को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। स्टेडियम में स्वच्छता, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, और खिलाड़ियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने को मिशन की तरह लिया जाना चाहिए।

इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित

हरिशंकर व्यास

इक्कीसवीं सदी दिमाग की है और प्रमाण पूरी मानवता द्वारा चिप, एआई को मस्तिष्क बनाना है। औद्योगिक क्रांति का बीज भाप से ऊर्जा थी तो नई सहस्राब्दी की मानव क्रांति का बीज वह नया मस्तिष्क है जो डेटा सेंटरों, चिप, रोबो से गुंथता तथा विकसित होता हुआ है। और यह बिना दिल के है। उस नाते मेरा मानना है कि बीसवीं सदी दिल की थी जबकि इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित है। और बुद्धि पूरी तरह ठूंठ चिप, एआई निर्माण में केंद्रित है। अभी प्रारंभिक अवस्था है। बावजूद इसके यह दिखने लगा है कि जैसे यूरोपीय पुनर्जागरण से दिल–दिमाग के भभके बने, फिर भाप की औद्योगिक क्रांति के असर में पूंजीवाद बनाम सर्वहारा तथा गणित–गणना–सोच की कोडिंग से डिजिटल क्रांति और इंटरनेट से दुनिया ने भूमंडलीकरण के अनुभव लिए, तो अब बौद्धिक क्रांति मनुष्यता का दिल खो रहा है, लाठी आगे आई है। भला कैसे? सोचें, यूरोप–अमेरिका 14–15वीं सदी के पुनर्जागरण से अब तक सभी क्रांतियों का जनक रहा, वह अब किस मोड़ पर है? गुजरी दास्तां में यूरोपीय देशों व ढाई सौ साल पुराने अमेरिका का साझा रहा। यूरोप से अमेरिका बना तो अमेरिका से यूरोप बचा। पर अब इक्कीसवीं सदी की जनवरी 2026 में क्या दिख रहा है? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जतला रहे हैंकृभाड़ में जाए नाटो, यूक्रेन, यूरोपकृवे तो वही करेंगे जो चाहेंगे! अमेरिका निर्विवाद नंबर एक महाशक्ति है। इसका नंबर एक प्रतीक अमेरिका की नई बुद्धिगत (संज्ञानात्मक क्रांति) छलांग है, जिसके भाप–माफिक एल्गोरिद्म इंजन से वह भारत जैसे देशों की अरबों लोगों की दशा को षगिग मनुष्योंष जैसी बना रहा है! ऐसी अकल्पनीय ताकत का स्वामी अमेरिका है मगर उसका व्यवहार, उसके राष्ट्रपति की सोच क्या है? उत्तरी ध्रुव के ग्रीनलैंड से लेकर दक्षिणी ध्रुव में चिली से नीचे तक के पूरे पश्चिमी उत्तरार्ध का स्वामी है अमेरिका। यह केवल ट्रंप की सनक नहीं है। यह उस सत्ता–बोध की अभिव्यक्ति है जो उन्हें चुनाव जिताने वालों, चंदा देने वालों, और उनके शपथ समारोह में उपस्थित उन डिजिटल–संज्ञानात्मक क्रांति की अगुआ कंपनियों के सीईओ, सभी में साझा रूप से मौजूद है कि दुनिया जब पहले ही उनकी मुट्ठी में है, तो भला राष्ट्रपति भवन से श्अमेरिका फर्स्ट्य का नगाड़ा क्यों न बजे? मेरा मानना है दुनिया–मुट्ठी का अमेरिकी अहंकार या चीन, रूस का अहंकार अपने–अपने ठोस आधार लिए हुए है। कोई दो अरब लोगों के इन तीन देशों के आगे पृथ्वी के बाकी छह अरब लोगों का वजूद कुल मिलाकर वैश्विक गिग भीड़ जैसा है। सोचें भारत के 145 करोड़ लोगों पर। यदि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी कंपनियों को एक दिन अचानक भारत में गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब, एक्स बंद करने का आदेश दें तो कैसे तो भारत सरकार, प्रधानमंत्री मोदी का दफ्तर चलेगा और कैसे 145 करोड़ लोगों का दिमाग चलेगा! आज वास्तविकता है कि भारत की भीड़ न तो निर्णय–निर्माता, न नैरेटिव–निर्माता है और न ही इस काम की आवश्यक जरूरत में तकनीक–बुद्धि–ज्ञान–विज्ञान की मौलिक रचनाकार है। जैसे चीन यदि सामान सप्लाई बंद करे तो बाजार खाली हो जाने हैं तो नैरेटिव–आइडिया के पाइप यदि ट्रंप बंद करवा दें तो मंदिर के चक्कर लगाते कुत्ते की भक्ति के दर्शन भी स्क्रीन से गुल होंगे। ऐसे ही बाकी देशों, दुनिया की छह अरब आबादी की दशा है। यूरोप भी इसमें शामिल है। जैसे भारत आश्रित है वैसे यूरोप भी अमेरिका और चीन पर निर्भर है। अमेरिका ने दिमाग, नैरेटिव और चीन ने सामान, आवश्यकताओं की वह सप्लाई बनाई है, जिसका ये शायद ही कोई तोड़ निकाल पाएं। अमेरिका की खूबी है कि वह किसी बात में किसी पर निर्भर नहीं है, तो चीन का पच्चीस वर्षों का यह कमाल है, जिसने दुनिया की फैक्टरी व सप्लाई–चेन बनकर लगभग सभी बाजारों पर एकाधिकार बना लिया है। उसकी तोड़ केवल अमेरिका के पास है। उसे डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां से अगले तीन वर्षों में बेदखल कर देने वाले हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप और उनके अनुदारवादी अमेरिकियों ने तय किया है कि लाठी और बुद्धि जब है तो दुनिया पूरी तरह उनकी मुट्ठी में बंद हो! तभी इक्कीसवीं सदी का विश्व, दिमाग व लाठी के उस मिक्स की है जो बीसवीं सदी से जुदा है। बीसवीं सदी में दो महायुद्ध हुए,।

समानता के नियमों को लेकर मचा बवाल

नीरज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले नए नियमों को लेकर देश में राजनीति तेज हो गई है। इन नियमों के लागू होते ही सवर्ण समुदाय की नाराजगी की खबरें सामने आने लगी हैं और इसके खिलाफ विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक यह दावा किया जा रहा है कि यह रेगुलेशन एक वर्ग विशेष को निशाना बनाने के लिए लाया गया है और इसका दुरुपयोग कर छात्रों और शिक्षकों को प्रताड़ित किया जाएगा। कई मंचों से भय का वातावरण बनाया जा रहा है और तथ्यों से परे जाकर तरह तरह का दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भावनात्मक शोर और राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप से अलग हटकर इन नियमों की वास्तविकता को समझा जाए। सवाल उठता है कि आखिर इन नियमों में ऐसा क्या है जिससे कुछ लोग डरे हुए हैं और क्या सचमुच यह किसी समुदाय के खिलाफ हैं? या फिर यह उच्च शिक्षण संस्थानों में लंबे समय से चली आ रही असमानता और भेदभाव की समस्या से निपटने की एक कोशिश मात्र है? इन्हीं सवालों के जवाब तलाशने और यूजीसी के इन नियमों की सच्चाई आपके सामने रखने की एक कोशिश इस रिपोर्ट के माध्यम से हम कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और समावेशन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026) को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम देश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों पर लागू होंगे। इनका उद्देश्य परिसर में भेदभाव से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाना और वंचित सामाजिक समूहों को संस्थागत सहारा देना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, नए नियमों के तहत प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र स्थापित करना अनिवार्य होगा। यह केंद्र न केवल भेदभाव से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करेगा, बल्कि शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराएगा। विविधता और समावेशन को बढ़ावा देना भी इसकी मुख्य जिम्मेदारी होगी। जिन महाविद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे, वहां यह कार्य संबद्ध विश्वविद्यालय के समान अवसर केंद्र के माध्यम से किया जाएगा। हम आपको बता दें कि इन नियमों के लागू होने की पृष्ठभूमि में न्यायपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2012 में बने भेदभाव विरोधी नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने यूजीसी को अद्यतन नियम प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। यह याचिका रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं द्वारा दायर की गई थी। हम आपको याद दिला दें कि इन दोनों ही छात्रों के मामलों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत उत्पीड़न और संस्थागत उदासीनता को लेकर देशव्यापी बहस छेड़ी थी। नए ढांचे के तहत समान अवसर केंद्र के साथ एक समानता समिति का गठन भी अनिवार्य होगा। इस समिति में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं और दिव्यांग व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया गया है। समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा और उसे प्रत्येक छह महीने में अपनी रिपोर्ट संस्थान तथा यूजीसी को भेजनी होगी। इसके अतिरिक्त, परिसर में भेदभाव की रोकथाम के लिए छोटी सतर्कता इकाइयों के रूप में समानता दस्तों का गठन भी किया जाएगा। नियमों में यह भी प्रावधान है कि समान अवसर केंद्र स्थानीय प्रशासन, पुलिस, गैर सरकारी संगठनों, नागरिक समूहों और विधिक सेवा प्राधिकरणों के साथ समन्वय करेगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराई जा सके। प्रत्येक संस्थान में एक वरिष्ठ शिक्षक को इस केंद्र का समन्वयक नियुक्त किया जाएगा, जिसे वंचित समूहों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध माना गया हो। यदि कोई संस्थान इन नियमों का पालन नहीं करता है, तो यूजीसी के पास कड़ी कार्रवाई के अधिकार होंगे। इसमें यूजीसी की योजनाओं से वंचित करना, डिग्री और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों को रोकना, यहां तक कि संस्थान को यूजीसी की मान्यता सूची से हटाना भी शामिल है। इस बीच, इन नियमों के लागू होने के साथ ही देश के कुछ हिस्सों में विरोध के स्वर भी सुनाई दिए हैं। आलोचकों का कहना है कि इसका

दुरुपयोग हो सकता है, जबकि समर्थकों का तर्क है कि यह कदम लंबे समय से चली आ रही असमानताओं को दूर करने के लिए आवश्यक है। हम आपको यह भी बता दें कि आंकड़े दर्शाते हैं कि बीते वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में लगातार वृद्धि हुई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मौजूदा व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं थीं और एक मजबूत, पारदर्शी तंत्र की जरूरत थी। देखा जाये तो उच्च शिक्षण संस्थान किसी भी समाज की वैचारिक प्रयोगशाला होते हैं। यदि वही स्थान असमानता और भय के केंद्र बन जाएं, तो यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। समानता को बढ़ावा देने वाले नए नियम किसी एक वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे शैक्षणिक तंत्र को अधिक मानवीय और न्यायपूर्ण बनाने की कोशिश हैं। इस पहल को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, उन्हें संवाद और पारदर्शिता के माध्यम से दूर किया जा सकता है। हर नियम का दुरुपयोग संभव है, लेकिन केवल इस भय से सुधारों को रोक देना समाधान नहीं हो सकता। वास्तविक चुनौती यह है कि संस्थान इन प्रावधानों को कागज तक सीमित न रखें, बल्कि ईमानदारी से लागू करें। बहरहाल, यदि ये नियम सही भावना के साथ जमीन पर उतरते हैं, तो यह न केवल वंचित छात्रों और शिक्षकों में भरोसा जगाएंगे, बल्कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाएंगे।

आखिर पहले की सरकारों ने नेताजी के पराक्रम को छिपाया

नीरज

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि वह शौर्य, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण करने की जीवंत चेतना हैं। गुलामी के कालखंड में जब पूरा देश भय, समझौते और याचना की राजनीति में उलझा था, तब नेताजी ने पराधीनता की जंजीरों को तोड़ने के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना था। उनका जीवन स्वयं में पराक्रम की परिभाषा था। इसी पराक्रम, इसी अदम्य साहस और इसी ज्वलंत राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने के लिए उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर यह सिद्ध कर दिया था कि भारतीय अपने बलबूते साम्राज्यवादी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। उनका उद्घोष तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा केवल शब्द नहीं थे, बल्कि वह संकल्प था जिसने हजारों युवाओं को बलिदान के लिए तैयार कर दिया था। इतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया। आज पराक्रम दिवस भारत को यह याद दिलाता है कि उसकी आजादी की नींव केवल वार्ताओं और प्रस्तावों पर नहीं, बल्कि रणभूमि के संकल्प, सैनिक अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान पर रखी गई थी। नेताजी का शौर्य आज भी भारत की नसों में दौड़ता है और पराक्रम दिवस उस चेतना को पुनः जागृत करने का राष्ट्रीय अवसर है। सारा देश आज पराक्रम दिवस पर नेताजी को नमन कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नेताजी का अदम्य साहस, अडिग संकल्प और राष्ट्र के लिए उनका अतुलनीय योगदान आज भी हर भारतीय को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी निर्भीक नेतृत्व और प्रखर राष्ट्रभक्ति के ऐसे प्रतीक हैं जिनकी चमक समय के साथ और तेज होती गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके जीवन की प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने 23 जनवरी 2009 को गुजरात में ई ग्राम विश्वग्राम योजना के शुभारंभ को याद किया। यह योजना गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ हरिपुरा से किया गया था, जिसका नेताजी के जीवन में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने हरिपुरा की जनता द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण स्वागत और उसी मार्ग पर निकाले गए जुलूस को भी स्मरण किया जिस मार्ग से कभी नेताजी गुजरे थे। प्रधानमंत्री ने 2012 में अहमदाबाद में आयोजित आजाद हिंद फौज दिवस के भव्य कार्यक्रम को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में देश भर से वे लोग एकत्र हुए थे जो नेताजी से प्रेरणा लेते हैं। इस अवसर पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पीए संगमा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों के एजेंडे में नेताजी के गौरवशाली योगदान को स्मरण करना शामिल नहीं था। इसलिए योजनाबद्ध ढंग से उन्हें भुलाने के प्रयास किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार का विश्वास इससे अलग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संभव अवसर पर नेताजी के जीवन और उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नेताजी से संबंधित फाइलों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम रहा। प्रधानमंत्री ने 2018 को भी ऐतिहासिक वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की स्थापना की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तिरंगा फहराने का उन्हें सौभाग्य मिला। उसी वर्ष अंडमान निकोबार में श्रीविजयपुरम में भी नेताजी द्वारा तिरंगा फहराने की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तीन द्वीपों के नाम बदले गए जिनमें रास द्वीप का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया। प्रधानमंत्री ने लाल किले में स्थापित क्रांति मंदिर संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नेताजी और आजाद हिंद सेना से जुड़ी अमूल्य धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करना और इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करना राष्ट्र के लिए गर्व के क्षण हैं। देखा जाये तो आजादी के बाद सत्ता की राजनीति ने चुन चुन कर नायकों को गढ़ा और कुछ नायकों को मिटाने की कोशिश की। नेताजी की विरासत को पाठ्यपुस्तकों में सीमित कर दिया गया था लेकिन मोदी सरकार ने इस चुप्पी को तोड़ा। नेताजी से जुड़ी फाइलों का सार्वजनिक होना केवल कागजों का खुलना नहीं था बल्कि इतिहास पर जमी धूल को हटाना था। साथ ही लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की वर्षगांठ मना कर यह संदेश दिया गया था कि भारत की आजादी केवल एक रास्ते से नहीं आई बल्कि बलिदान, संघर्ष और सशस्त्र प्रतिरोध से भी आई है। इंडिया गेट के पास नेताजी की भव्य प्रतिमा स्थापित करना भी एक ऐतिहासिक निर्णय रहा। वर्षों तक वहां एक औपनिवेशिक प्रतीक खड़ा रहा। अब उसकी जगह वह सेनानी खड़ा है जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को सबसे बड़ी चुनौती दी।

सबसे अहम तमिलनाडु का चुनाव

अजीत द्विवेदी

इस साल जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं उनमें पश्चिम बंगाल के बाद सबसे अहम तमिलनाडु का चुनाव है। हालांकि पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि डीएमके के नेतृत्व वाले सेकुलर प्रोग्रेसिव अलायंस यानी एसपीए की राह आसान है और इस बार फिर सत्ता में उसकी वापसी हो सकती है। तमिलनाडु में काफी समय से पांच साल पर सत्ता बदलने का रिवाज था, जो 2016 में बदला था, जब जयललिता की पार्टी अन्ना डीएमके लगातार दूसरी बार सत्ता में आई थी। 10 साल सत्ता में रहने के बाद अन्ना डीएमके 2021 में हारी। अब जयललिता नहीं हैं और उनकी पार्टी में खूब बिखराव भी हुआ है। उनके बनाए मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम पार्टी से अलग हो गए हैं। जयललिता की सबसे करीबी सहयोगी रही वीके शशिकला सक्रिय राजनीति से लगभग दूर हैं और उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरण की पार्टी भी एनडीए से अलग हो गई है। सो, अन्ना डीएमके पहले के मुकाबले कमजोर हुई है। उससे अलग हुए खेमे अपनी अपनी राजनीति कर रहे हैं। अन्य विपक्षी पार्टियों में पीएमके का विभाजन हो गया है। एक खेमे का नेतृत्व पार्टी के संस्थापक रामदॉस कर रहे हैं तो दूसरे का नेतृत्व उनके बेटे अंबुमणि के हाथ में है। जहां तक भाजपा का सवाल है तो उसकी अपनी ताकत इतनी ज्यादा नहीं है कि वह गठबंधन को गाइड कर सके। अभी तक अन्ना डीएमके नेताओं के हिसाब से एनडीए काम कर रहा है। लेकिन अमित शाह पूरा जोर लगा रहा है। अमित शाह ने तमिलनाडु में अप्रैल 2026 में एनडीए की सरकार बनाने का ऐलान किया है। यह अलग बात है कि एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी अन्ना डीएमके ने कहा हुआ है कि जीत हुई तो सरकार अन्ना डीएमके की होगी, उसमें भाजपा को शामिल नहीं किया जाएगा। यानी वह एनडीए की सरकार नहीं होगी। फिर भी एनडीए के लिए और भाजपा के लिए यह संतोष की बात हो सकती है कि एमके स्टालिन और कांग्रेस के गठबंधन को उसने हरा दिया। भाजपा इसको जरूरी इसलिए भी मान रही है क्योंकि उसे स्टालिन के सनातन विरोध का जवाब देना है। गौरतलब है कि उनके बेटे उदयनिधि ने सनातन को डेंगू जैसी बीमारी बता कर समाप्त करने की बात कही थी। इसके अलावा स्टालिन की पार्टी के साथ भाजपा का एक टकराव भाषा का भी है। हालांकि काशी तमिल संगम का आयोजन लगातार एनडीए की केंद्र सरकार करवा रही है लेकिन तमिलनाडु में डीएमके का गठबंधन सनातन और भाषा दोनों को मुद्दा बनाए हुए है। भाजपा ने तमिलनाडु के सीपी राधाकृष्णन को उप राष्ट्रपति बनवाया है। उनके जरिए भी दूरी को पाटने की कोशिश की जा रही है। अमित शाह तमिलनाडु में पोंगल मना रहे हैं और लगातार सक्रियता दिखा कर भाजपा के लिए ज्यादा सीटों की मोलभाव करेंगे। उधर सत्तारूढ़ डीएमके ने चुनाव को तमिल अस्मिता की राजनीति से जोड़ दिया है। स्टालिन और उनके बेटे के निशाने पर अन्ना डीएमके नहीं है, बल्कि भाजपा है। उनको पता है कि भाषा, संस्कृति और धर्म को लेकर अन्ना डीएमके की वही राय होगी, जो डीएमके की है। इसलिए उनका हमला भाजपा पर है, जिसे हिंदी और हिंदू धर्म के बहाने एक धुरी बना कर द्रविडियन अस्मिता के वोटों का ध्रुवीकरण कराया जा सकता है। संसद में भी डीएमके सांसद अक्सर हिंदी को लेकर विरोध जताते रहते हैं। भाषा और अस्मिता के मुद्दे के अलावा डीएमके को सरकार में होने का एडवांटेज है। उसने वेलफेयर की कई योजनाएं चुनाव से पहले घोषित कर दी हैं। पोंगल के बहाने सरकार ने नकद पैसे बांटने से लेकर कई तरह के उपहार बांटने शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही आर्थिक विकास के आंकड़े पेश करके भाजपा शासित राज्यों से तुलना की जा रही है और तमिलनाडु को बेहतर साबित किया जा रहा है। उसके गठबंधन में कांग्रेस जरूर कुछ पेंच डाल रही है। वह ज्यादा सीटों और सरकार में शामिल किए जाने की मांग कर रही है। लेकिन अंदाजा है कि अंत में एसपीए एक होकर ही चुनाव मैदान में उतरेगा। तमिलनाडु का चुनाव इस बार ज्यादा दिलचस्प इसलिए हो गया है क्योंकि लंबे अरसे बात प्रदेश का विधानसभा चुनाव त्रिकोणात्मक होता दिख रहा है। कैप्टेन विजयकांत ने पार्टी बना कर 2011 का चुनाव लड़ा था लेकिन तब वे अन्ना डीएमके से अलायंस में थे और 2016 में अकेले लड़े तो एक भी सीट नहीं जीत पाए। आखिरी बार एमजी रामचंद्रन के निधन के बाद जब 1989 में अन्ना डीएमके टूटी थी तब त्रिकोणात्मक मुकाबला हुआ था। उस समय एक धड़े का नेतृत्व एमजीआर की पत्नी जानकी रामचंद्रन कर रही थीं और दूसरे गुट का नेतृत्व जयललिता के हाथ में था। अंत में जयललिता ने बाजी मारी और अन्ना डीएमके उनकी पार्टी हो गई। उस समय फिल्म स्टार शिवाजी गणेशन ने भी टीएमएम नाम से पार्टी बनाई थी और चुनाव लड़े थे। उस चुनाव के 27 साल बाद तमिलनाडु में त्रिकोणात्मक मुकाबला होता दिख रहा है। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार थलपति विजय की वजह से ऐसा हुआ है। उन्होंने तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके नाम से पार्टी बनाई है। वे पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरे हैं। उन्होंने चुनाव के कई महीने पहले से प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। एमजीआर और जयललिता की तरह उन्होंने भी डीएमके को बुरी शक्ति बताया है और उसे हराने का आह्वान किया है। वे बेहद लोकप्रिय हैं और राजनीति के लिए उन्होंने फिल्मों से संन्यास की घोषणा की है। उनमें एमजीआर या जयललिता की तरह राजनीतिक सफलता की संभावना देखी जा रही है। सो, डीएमके नेतृत्व वाले एसपीए के साथ अन्ना डीएमके नेतृत्व वाले एनडीए और विजय की पार्टी टीवीके के बीच त्रिकोणात्मक मुकाबला है। इनके अलावा भी कई छोटी छोटी पार्टियां चुनाव में होंगी। कैप्टेन विजयकांत की पार्टी उनकी पत्नी प्रेमलता संभाल रही हैं और वे भी चुनाव लड़ेंगी। बहरहाल, विजय की पार्टी के लिए चुनाव रणनीति प्रशांत किशोर बना रहे हें और पिछले साल उन्होंने विजय के एक कार्यक्रम में कहा था कि अभी तमिलनाडु में सबसे लोकप्रिय बिहारी एमएस धोनी हैं लेकिन एक साल बाद सबसे लोकप्रिय प्रशांत किशोर होंगे। उन्होंने विजय की सरकार बनवाने का दावा किया है। अगर वे विजय के सहारे तमिलनाडु विधानसभा को त्रिशंकु बनवा देते हैं तब भी उनकी बड़ी जीत होगी। भाजपा को भी विजय से यही उम्मीद होगी। उसको लग रहा है कि विजय जो वोट हासिल करेंगे वह डीएमके गठबंधन का होगा। इसका लाभ एनडीए को मिलेगा। सो, भाजपा के नेता विजय की वजह से जीत जाने या त्रिशंकु विधानसभा की संभावना देख रहे हैं। एमके स्टालिन के साथ एडवांटेज की बात यह है कि वे सत्ता में हैं। दूसरे, कांग्रेस के अलावा दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां, मुस्लिम लीग, वीसीके, एमडीएमके जैसी अलग अलग समूहों में असर रखने वाली पार्टियां उसके गठबंधन में हैं। तीसरे, एनडीए में बिखराव है। ई पलानीस्वामी गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं और खुद को सीएम का दावेदार घोषित कर चुके हैं। इससे नाराज होकर पनीरसेल्वम और टीटीवी दिनाकरण अलग हो गए हैं। चौथे, पलानीस्वामी से नाराज होकर पिछले दिनों एक बेहद मजबूत नेता केए सेंगोटैयन ने पार्टी छोड़ी है और विजय के संपर्क में हैं। सो, अन्ना डीएमके और एनडीए में बिखराव है, जिसका लाभ डीएमके को मिल सकता है।

युवक की हत्या में प्रेमिका के माता-पिता व भाई को उम्रकैद

लखनऊ, (संवाददाता)। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में करीब आठ वर्ष पूर्व हुई युवक की हत्या के मामले में अदालत ने प्रेमिका के माता–पिता व भाई को उम्रकैद की सजा सुनाई है। तीनों पर 10–10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की आधी धनराशि मृतक के माता–पिता को दी जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के पूरे पूरन मजरे सनौली निवासी संतराम रावत ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक 27 जुलाई 2018 की सुबह गांव के ही रामसुरेश की पत्नी ने बताया कि संतराम का पुत्र धर्मराज उर्फ सोमनाथ उनके आंगन में पड़ा है। इस पर संतराम व अन्य परिजन उसके घर पहुंचे तो देखा कि धर्मराज बोल नहीं पा रहा था। उनके गले में काले निशान थे और उसका शरीर ऐंठ रहा था। इस पर संतराम ने आरोप लगाया कि रामसुरेश उसकी पत्नी शांति देवी व पुत्र लवकुश ने उनके पुत्र को जबरन फंदे पर लटकाया है। इलाज के दौरान धर्मराज की मौत हो गई। न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने नौ गवाह पेश किए। अपने बयान में वादी यानी मृतक के पिता ने बताया कि अभियुक्त रामसुरेश की पुत्री से उनके पुत्र का प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी कारण तीनों अभियुक्तों ने उनके पुत्र की हत्या कर दी। गवाहों के बयान व दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश विनय कुमार सिंह ने रामसुरेश उसकी पत्नी शांति देवी व पुत्र लवकुश को सजा सुनाई।

पांच बार से अधिक चालान पर 10,050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित, छह महीने में नहीं भरे चालान तो ऐसा होगा

लखनऊ, (संवाददाता)। यातायात नियमों का बार–बार उल्लंघन करने वाले 10,050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है। यदि छह महीने के भीतर चालान नहीं भरे गए तो इन वाहनों का पंजीकरण स्थायी रूप से निरस्त कर दिया जाएगा। यह कार्रवाई ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ की ओर से चार महीनों में की गई है। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से ट्रैफिक पुलिस ने वर्ष 2025 के नवंबर तक पांच या उससे अधिक बार नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान की। आरटीओ प्रशासन को 52,187 वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने की रिपोर्ट भेजी गई थी। जांच में 5012 वाहन डुप्लीकेट डेटा वाले और 5298 वाहन अन्य जिलों व प्रांतों के पाए गए। ऐसे वाहनों के पंजीकरण निलंबन के लिए संबंधित जिलों को ई–मेल द्वारा संस्तुति की गई है। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि नवंबर में ट्रैफिक पुलिस द्वारा सौंपी गई सूची के आधार पर 10050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित किया जा चुका है, जबकि शेष वाहनों के निलंबन की प्रक्रिया जारी है। इसके अतिरिक्त, लगभग 500 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। पंजीकरण और डीएल निलंबित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने परिवहन विभाग को पहली सूची में 13,919 वाहनों का विवरण सौंपा था।

संक्षिप्त खबरें

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने खरीफ फसलों के मूल्य निर्धारण के लिए बैठक की अध्यक्षता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज विधानभवन स्थित कक्ष संख्या 80 में खरीफ (2026–27) की मुख्य फसलों के मूल्य निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण परामर्शदात्री बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सहकारिता मंत्री श्री जे.पी.एस. राठौर और खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री श्री सतीश शर्मा की भी विशेष उपस्थिति रही।बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी खरीफ सीजन में किसानों के हित में विभिन्न फसलों के उचित मूल्यों का निर्धारण कर केंद्र सरकार को प्रस्ताव प्रेषित करना था। इस अवसर पर धान (ग्रेड–ए और सामान्य), ज्वार, मक्का, उड़द, अरहर, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन और तिल सहित कुल 10 प्रमुख फसलों के मूल्यों पर गहन विचार–विमर्श किया गया।कृषि मंत्री ने सभी फसलों के लिए प्रस्तावित मूल्य तय कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में प्रमुख सचिव कृषि श्री रविंद्र, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री अजय कुमार शुक्ला, सचिव कृषि श्री इन्द्र विक्रम सिंह, निदेशक कृषि श्री पंकज त्रिपाठी, निदेशक सांख्यिकी श्रीमती सुमिता सिंह सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के गंभीर मामले पर कड़ा रुख अपनाया। शिकायत के तुरंत बाद शुक्रवार को एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई और कनिष्ठ अभियंता (जेई) को निलंबित किया गया, जबकि दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया।मंत्री ने कहा कि प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा जनपद के नौगांव सादात निवासी मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगने और जानबूझकर कार्य में विलंब किए जाने की शिकायत प्रस्तुत की, जिसे मंत्री ने गंभीरता से लिया।मंत्री श्री शर्मा ने मामले को संज्ञान में लेते हुए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी के तहत जेई राजीव सिंह को तत्काल निलंबित किया गया और लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम–10 के तहत स्पष्टीकरण जारी किया गया है, और संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्रवाई की जाएगी।ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा विभाग जनता की सेवा के लिए है, न कि जनता से अवैध वसूली के लिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी नीति पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की है और जनसुनवाई के माध्यम से आने वाली प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शासन की मंशा के विपरीत कार्य करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

उत्तर प्रदेश की 14 लखपति दीदियां गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करेंगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की 14 लखपति दीदियां और उनके सहयोगी 26 जनवरी 2026 को कर्त्तव्य पथ, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करेंगे। इनमें से 13 दीदियों को उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने 23 जनवरी को अपने कैम्प कार्यालय 7–कालिदास मार्ग से बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रस्थान से पूर्व उपमुख्यमंत्री ने दीदियों से उनके कार्यकलाप, महिला सशक्तिकरण के लिए उनके प्रयास और उपलब्धियों के बारे में जानकारी हासिल की और उनका उत्साहवर्धन किया।दिल्ली में परेड से पहले दीदियां ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री श्री शिव राज सिंह चौहान के कार्यक्रम में भी शामिल होंगी और अन्य राज्यों की दीदियों के साथ भ्रमण करेंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश की राजधानी में दीदियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाना उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है।श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का विचार है कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी राष्ट्रीय पर्व में देश की राजधानी में आमंत्रित हों। सरकार गरीबों के दर्द को समझते हुए उनकी सहायता में तत्पर है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि महिलाओं के सम्मान और स्वाभिमान के लिए भी सरकार पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम और विधानसभा व लोकसभा में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एक वर्ष में तीन करोड़ दीदियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और एक करोड़ दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में लखपति दीदियां करोड़पति बनने की दिशा में ठोस प्रयास करेंगी।उन्होंने स्कूली बच्चों के लिए दीदियों द्वारा ड्रेस आदि बनाने और खाद्य प्रसंस्करण, सोलर एवं ग्रीन एनर्जी क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही महिलाओं के उद्यमों को बढ़ावा देने और उनके व्यवसायिक अवसरों का विस्तार करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।इस अवसर पर राज्य मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास विभाग श्री सौरभ बाबू, विशेष सचिव ग्राम्य विकास विभाग श्री जयनाथ, मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती दीपा रंजन, संयुक्त मिशन निदेशक श्री जनमेजय शुक्ला और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी दिवस के आयोजन , तीन दिनों तक पूरी तरह से निशुल्क रहेगा राष्ट्र प्रेरणा स्थलय 26 को भी रहेगा फ्री

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी दिवस के अवसर पर बसंतकुंज योजना में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में प्रवेश शनिवार से तीन दिन तक निशुल्क रहेगा। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को इसका आदेश जारी कर दिया। इस बार यूपी दिवस का आयोजन 65 एकड़ में फैले राष्ट्र प्रेरणा स्थल में हो रहा है। शनिवार को आयोजन के शुभारंभ के मौके पर गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। आयोजन में बड़ी तादाद में लोग आएंगे। इसे देखते हुए एलडीए ने पार्क में प्रवेश तीन दिन के लिए मुफ्त कर दिया है। हालांकि, म्यूजियम का 50 रुपये का टिकट लगेगा। प्रेरणा स्थल का उद्घाटन 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। 31 दिसंबर तक इसमें प्रवेश मुफ्त था। एक जनवरी से 15 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को इस बार भी एलडीए के सभी पार्कों में प्रवेश निशुल्क रहेगा। राष्ट्र प्रेरणा स्थल का म्यूजियम भी फ्री रहेगा। एलडीए के प्रमुख पार्कों में लोहिया पार्क, जनेश्ववर मिश्र पार्क, अंबडेकर, बुद्धा पार्क आदि हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ीं प्रदेश की 14 लखपति दीदियां 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में शिरकत करेंगी। कर्तव्य पथ पर ये दीदियां महिला सशक्तीकरण का प्रदर्शन कर प्रदेश की शान बनेंगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय से लखपति दीदियों को दिल्ली के लिए रवाना किया। इस दौरान राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास सौरभ बाबू व अन्य लोग मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री ने उन्हें रवाना करने से पहले उनसे संवाद कर उनके उद्यमों और कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक विकास से ही प्रदेश का समग्र विकास संभव है। लखपति दीदी अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। उनका गणतंत्र दिवस की परेड में शिरकत करना प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्या ने 12 मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री, बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती बेबीरानी मौर्या ने आज अपने सरकारी आवास पर 12 मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा आधार पर सरकारी सेवा में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह नियुक्ति उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली–1974 और उसके 2025 के संशोधनों के अनुसार की गई है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में उनके द्वारा 40 मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है।आज नियुक्त किए गए आश्रितों में मुख्य सेविका, प्रधान सहायक, वरिष्ठ सहायक, वाहन चालक और चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत कर्मचारियों के परिवार के सदस्य शामिल हैं। कनिष्ठ सहायक के पद पर कुल 9 और चतुर्थ श्रेणी के पद पर 3 आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।मंत्री बेबीरानी मौर्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करने की दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 2425 महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अलावा, आयोग द्वारा चयनित 78 नई मुख्य सेविकाओं और 597 कनिष्ठ सहायकों को भी शीघ्र ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इमलीबांध बाबा मंदिर में नवनिर्मित रैन बसेरा जनता को समर्पित किया

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को उत्तरधौना, चिनहट स्थित इमली बांध बाबा मंदिर परिसर में नवनिर्मित बाबू भगवती सिंहदृबाबू जगन्नाथ सिंह रैन बसेरा का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। यह रैन बसेरा जगन्नाथ एवं विमला सिंह ट्रस्ट द्वारा जनकल्याण की भावना से निर्मित किया गया है। लोकार्पण के अवसर पर कंबल वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, श्रद्धालु और जरूरतमंद शामिल हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि रैन बसेरा केवल एक इमारत नहीं है, बल्कि यह समाज के कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा, सम्मान और सहारा प्रदान करने का माध्यम है। ऐसे रैन बसेरे सर्दी, बारिश और विपरीत परिस्थितियों में गरीबों, श्रमिकों, यात्रियों और असहाय लोगों को सुरक्षित आश्रय देते हैं और सामाजिक संवेदनशीलता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ही अंतिम व्यक्ति तक राहत और सुविधाएं पहुँचाई जा सकती हैं। ऋतुराज वसंत पंचमी के पावन पर्व पर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के पूजन के साथ इमलीबांध बाबा मंदिर परिसर में रैन बसेरे का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी ललित जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, विधायक योगेश शुक्ला, भवन निर्माण मुख्य ट्रस्टी प्रदीप सिंह बब्बू, युवा नेता राहुल सिंह, डॉ. अनूप मिश्रा, डॉ. वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और भक्तजन उपस्थित रहे।आयोजक प्रदीप सिंह बब्बू ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, सहयोगियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह रैन बसेरा निरंतर जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित रहेगा।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश दिवस एवं राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से 24 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल, वसंत कुंज योजना, लखनऊ में विभिन्न रचनात्मक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध पर्यटन विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराना और उनमें रचनात्मकता व जागरूकता को बढ़ावा देना है।युवा पर्यटन कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं को उत्तर प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पर्यटन विरासत को चित्रों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति करने के लिए प्रेरित करना है। प्रतियोगिता जूनियर और सीनियर दो वर्गों में आयोजित होगी।इसके अलावा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थी उत्तर प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और प्रदेश की विकासात्मक उपलब्धियों से परिचित होंगे। यह प्रतियोगिता लाइव, ऑनलाइन और इंटरएक्टिव स्वरूप में आयोजित की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को सीखने, प्रतिस्पर्धा करने और अपनी प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।युवा पर्यटन कार्यक्रम के अंतर्गत वॉक्स पॉप फिल्म प्रस्तुति और यूथ रील स्टोरीटेलिंग कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें युवा प्रतिभाएं उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियां प्रस्तुत करेंगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक गौरव से है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से पर्यटन को नई दिशा मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि युवा पर्यटन कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों में पर्यटन के प्रति रुचि विकसित करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक चेतना को भी सुदृढ़ करता है।उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश ईको–टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा प्रदेशभर में 1,500 से अधिक युवा पर्यटन क्लब स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे 30,000 से अधिक विद्यार्थी सक्रिय रूप से जुड़े हैं। इन क्लबों के माध्यम से छात्रों को जंगलों, पक्षी विहारों और प्राकृतिक धरोहरों का भ्रमण कराया जाता है, जिससे उनमें प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

रिश्वतखोरी पर ऊर्जा मंत्री सख्त, लाइनमैन बर्खास्त, जेई निलंबित

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया। इसका परिणाम यह रहा कि शुक्रवार को एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई, जबकि एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित किया गया। साथ ही दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा जनपद के नौगांव सादात निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसा, पुत्र कासिम ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने और जानबूझकर कार्य में टालमटोल किए जाने की शिकायत रखी, जिसे मंत्री ने गंभीरता से लिया।मामले का संज्ञान लेते हुए ऊर्जा मंत्री ने तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के सख्त तेवरों और जीरो टॉलरेंस नीति का असर यह रहा कि विभाग ने बिना विलंब कार्रवाई करते हुए देर रात तक दोषियों पर निर्णय लिया।मंत्री के निर्देश पर कनिष्ठ अभियंता राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, जबकि लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके साथ ही एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम–10 के अंतर्गत स्पष्टीकरण जारी किया गया है।

कलराज मिश्र को कर्मवीर राजनेता रंगभारती सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को रंगभारती और उत्तर प्रदेश नागरिक परिषद ने उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के निराला सभागार में सम्मान समारोह किया। इसमें वरिष्ठ राजनेता और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र को कर्मवीर राजनेता रंगभारती सम्मान से अभिनंदित किया गया। इसके अलावा अलग–अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और वरिष्ठ राजनेता कलराज मिश्र ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रंगभारती और उत्तर प्रदेश नागरिक परिषद के अध्यक्ष श्याम कुमार की रंगभारती संस्था ने 1985 में देश में पहली बार उत्तर प्रदेश की वर्षगांठ मनानी शुरू की थी। कलराज मिश्र ने कहा कि इस उम्र में भी श्याम कुमार उतने ही सक्रिय हैं। इससे नई पीढ़ी को सीखना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि श्याम कुमार की अथक साधना का ही परिणाम है कि प्रदेश सरकार ने उनके निवेदन को स्वीकार कर उत्तरप्रदेश स्थापना दिवस मनाना शुरू किया। समारोह का संचालन अनीता सहगल ने किया। वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी, संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डॉ. जयंत खोत, राजेंद्र विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

हत्या में आजीवन कारावास की सजा काट रही महिला कैदी की साढ़े पांच साल में रिहाई

लखनऊ, (संवाददाता)। किरायेदार की बेटी की हत्या करने की सजा काट रही महिला को समय से पूर्व रिहाई के आदेश हुए हैं। कोई अन्य मामला न होने व 62 वर्ष उम्र पूरी होने की वजह से राज्यपाल ने रिहाई मंजूर की है। कानपुर के बर्रा–7 इलाके में रोशन लाल कठेरिया का है। उनके मकान में कुसुमा अपनी तीन बेटियों रचना, रोली व दीक्षा के साथ रहती थीं। रोशन की पत्नी माया ने बेटे सचिन व नितिन के साथ मिलकर

रचना की हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम इसलिए दिया था क्योंकि रचना ने माया के बेटे नितिन से शादी करने से इंकार कर दिया था। सभी आरोपी दोषी पाए गए थे। 24 अगस्त 2019 को अपर सत्र न्यायालय कानपुर नगर ने दंपति व उनके दोनों बेटों को आजीवन कारवास की सजा सुनाई थी। माया अब तक साढ़े पांच साल की सजा काट चुकी हैं। बेहतर आचरण, अन्य कोई मामला न होने और 62 वर्ष की आयु पूरी करने की वजह से राज्यपाल ने माया को समय से पूर्व रिहाई करने का आदेश दिया है। गला कसकर मारा था, फिर फंदे पर लटकाया था वारदात के दिन कुसुमा काम पर गई थीं। उनका बेटा अपने ताऊ के घर पर था। रचना अकेली थीं, उसकी दोनों बहने स्कूल गई थीं।

पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत की झलक होगी प्रदर्शित

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस समारोह में प्रदेश की पर्यटन क्षमता और सांस्कृतिक विरासत की विशेष झलक देखने को मिलेगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विभागीय एवं पीपीपी मोड पर संचालित योजनाओं, माघ मेला–2026, बुंदेलखंड के पर्यटन स्थल, विरासत संरक्षण, इको–टूरिज्म बोर्ड की महत्वपूर्ण पहलों और यूपीएसटीडीसी की लखनऊ दर्शन जैसी उपलब्धियों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस वर्ष यूपी दिवस को गांव से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक मनाने की तैयारी की गई है। देश के लगभग 20 राज्यों में इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि विदेशों में भारतीय दूतावासों जैसे–फिजी, त्रिनिदाद, टोबैगो और सूरीनाम में भी आयोजन होंगे। समारोह में श्रीमती आनंदीबेन पटेल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह शामिल होंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाएं और विश्व विख्यात पर्यटन स्थलों को एक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें बौद्ध, जैन, रामायण, महाभारत सहित प्रदेश के सभी 12 पर्यटन सर्किटों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को आमजन के समक्ष प्रदर्शित किया जाएगा।बुंदेलखंड क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से उभारने के प्रयास के तहत कालिंजर किले को विशिष्ट पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जबकि झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, महोबा और बांदा के ऐतिहासिक स्थलों व जलप्रपातों की जानकारी भी प्रदर्शित की जाएगी।

ठेकेदार ने टेंडर बाबू को दी घूस की रकम, थामते ही एंटी करप्शन ने रंगे हाथों पकड़ा

गोरखपुर, (संवाददाता)। एंटी करप्शन की टीम ने बुधवार दोपहर मोहद्दीपुर स्थित विद्युत वितरण मंडल द्वितीय के कार्यालय में तैनात टेंडर बाबू अभिषेक भारती को ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी से पांच हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, भारती किसी टेंडर को पास कराने के लिए लगातार ठेकेदार से अवैध धन की मांग कर रहे थे। मामले में विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। गोरखनाथ के गांधीनगर निवासी शिव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सिकरीगंज, कौड़ीराम, सहजनवां खंड में काम पूरा करने के बाद एफडीआर वापस लेने के लिए भागदौड़ कर रहा था। टेंडर बाबू अभिषेक भारती रुपये की मांग कर रहे थे। छह जनवरी को अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार से एफडीआर रिलीज करने का आदेश कराकर टेंडर बाबू को दिया। इसके बाद भी एफडीआर नहीं मिल रहा था। परेशान होकर इसकी जानकारी एंटी करप्शन की टीम को दी। एंटी करप्शन अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही शिव कुमार त्रिपाठी कार्यालय के बाहर टेंडर बाबू को रुपये देकर अपनी कार में बैठे, टीम ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने बाबू के कार्यालय पर ताला लगा दिया और उसे कैंट थाने ले गई। अभिषेक महराजगंज जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत नगरपालिका परिषद के नेहरूनगर के निवासी हैं। विद्युत वितरण मंडल द्वितीय में लंबे समय से टेंडर बाबू के पद पर तैनात अभिषेक भारती के खिलाफ यह कार्रवाई बिजली निगम के कर्मचारियों और ठेकेदारों के बीच सनसनी मचा गई है। स्थानीय ठेकेदारों और कर्मचारियों का कहना है कि भारती ने कई टेंडरों में घूस की मांग की थी और इस गिरफ्तारी से अन्य कर्मचारियों में भी डर का माहौल है। ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एक सप्ताह पहले भी सिक्योरिटी मनी छुड़ाने के दौरान अभिषेक भारती ने अवैध राशि की मांग की थी। उन्होंने छह जनवरी को ही एंटी करप्शन में शिकायत दर्ज करवाई थी। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता केके राठौर ने बताया कि कर्मचारियों के भ्रष्टाचार की विभागीय जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी गिरफ्तारी के बाद कार्यालय

में अफरातफरी मच गई है। कर्मचारियों और ठेकेदारों का कहना है कि अब किसी को भी टेंडर पास कराने या सिक्योरिटी मनी छुड़ाने के लिए अवैध साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। एंटी करप्शन टीम मामले की आगे की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की पहचान के लिए दस्तावेज और रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। दोबार आई टीम, कार्यालय का ताला खोलकर की जांच तकरीबन एक घंटे बाद दो गाड़ियों से टीम के सदस्य वापस आए और ताला खोलकर कार्यालय की जांच की। उन्होंने अधीक्षण अभियंता द्वितीय का कार्यभार देख रहे अधीक्षण अभियंता प्रथम केके राठौर को बुलवाया और कुछ फाइलों की फोटोकॉपी कराई। चार दिन पहले टेंडर क्लर्क के कार्यालय में शिव कुमार त्रिपाठी और अभिषेक भारती में बहस भी हुई थी। दोपहर ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी ने फोन कर प्रथम तल पर स्थित कार्यालय में बैठे टेंडर क्लर्क अभिषेक भारती को नीचे बुलाया। अभिषेक कार्यालय के नीचे आए तो शिव कुमार त्रिपाठी ने उनके कंधे पर हाथ रखकर थोड़ी देर बात की और फिर पांच हजार रुपये उनके हाथ में रख दिए। जैसे ही शिव कुमार त्रिपाठी ने रुपये देकर निकले, वहां निरीक्षक सुबोध कुमार के नेतृत्व में मौजूद सात से आठ की संख्या में लोगों ने अभिषेक भारती को पकड़ लिया।

संक्षिप्त खबरें

लापरवाह अधिकारियों को एडीएम ने दी चेतावनी

भदोही, (संवाददाता)। एडीएम वित्त एवं राजस्व कुंवर वीरेंद्र मौर्य एवं एडीएम न्यायिक विजय नारायण सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस की समीक्षा हुई। इसमें मुख्यमंत्री संदर्भ, डीएम संदर्भ संग अन्य मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने बी श्रेणी में आने पर तहसीलदार औराई, असंतुष्ट फीडबैक में सहायक श्रम आयुक्त, सब रजिस्टार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, डीघ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को चेतावनी दी दिया। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही आख्या अपलोड करने का निर्देश दिया। कहा जिस अधिकारी और कर्मचारी के विरुद्ध शिकायत है उसी से जांच न कराई जाए। यह भी समीक्षा कर लें की उनके यहां किस क्षेत्र या किस विभाग शिकायत श्रेणी में सर्वाधिक शिकायतें आ रही हैं।

अब पीएचसी पर लगेगी बॉयोमैट्रिक मशीन

भदोही, (संवाददाता)। ग्रामीण अंचलों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी अब आनलाइन हाजिरी लगेगी। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से इन केंद्रों पर बायोमैट्रिक मशीन लगाने की कवायद शुरू हो गई है। इससे अस्पताल में विलंब से आने और समय से पहले चले जाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों पर अंकुश लगेगा। जिले में तीन राजकीय जिला अस्पताल, छह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 20 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। जिला अस्पताल और सीएचसी में यह व्यवस्था पहले से ही है, लेकिन पीएचसी में अभी रजिस्टर पर ही हाजिरी लगाई जाती है। जिससे इन केंद्रों पर तैनात चिकित्सक समय से नहीं पहुंचते। उनके आने–जाने का कोई भी समय निर्धारित नहीं रहता। इसको लेकर शिकायतें भी होती रहती हैं। अब विभाग की तरफ से इन केंद्रों पर भी बायोमैट्रिक मशीन लगाई जाएगी। सब कुछ ठीक रहा तो मई से पीएचसी पर ऑनलाइन हाजिरी की व्यवस्था हो जाएगी। बायोमेट्रिक मशीन लगने के बाद डॉक्टर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके आधार पर हर महीने वेतनदेय होगा। मशीन लगने के बाद नियमित ड्यूटी करना भी अनिवार्य हो जाएगा। सीएमओ डॉ. एसके चक ने बताया कि बायोमेट्रिक मशीन लगाने की तैयारी चल रही है।

14 किमी के रफ्तार से चली पछुआ, शाम होते ही बढ़ी ठिठुरन

भदोही, (संवाददाता)। जिले के मौसम में परिवर्तन का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को जनवरी में पहली बार 14 किलोमीटर के रफ्तार से पछुआ चली। धूप होने के बाद भी लोगों को सिहरन का अहसास हुआ। शाम होते ही गलन के कारण ठिठुरन की स्थिति बनी रही। वहीं मौसम विभाग ने अंदेशा व्यक्त किया है कि 26 जनवरी तक बादलायुक्त मौसम होने पर बूंदाबांदी के आसार बन सकते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र बेजवां के मौसम विशेषज्ञ सर्वेश बरनवाल ने बताया कि तापमान में उतार चढ़ाव की स्थिति कुछ दिनों से बनी है। दिन में धूप होने और शाम को तेज रफ्तार के साथ हवा चल रही है। इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ा है। अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है। ओपीडी इनदिनों 800 के पार पहुंच गई है।

पूर्व प्रमुख पति की तहरीर पर सभासद पर मामला दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। नगर पंचायत पिपराइच की ओर से आयोजित कंबल वितरण समारोह के दौरान शुक्रवार दोपहर रामलीला मैदान में पूर्व प्रमुख आनंद शाही और सभासद संदीप गुप्ता के बीच विवाद हो गया। इस घटना के बाद पूर्व प्रमुख पति प्रेम पासवान की तहरीर पर पुलिस ने एससी–एसटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, विवाद के दौरान थानेदार मौके पर पहुंचे और मंच पर हो रहे झगड़े को रोकते हुए संदीप गुप्ता को थाने भेज दिया। थोड़ी देर बाद मामला शांत होने पर उन्हें छोड़ दिया गया। इस पर नाराज क्षेत्रीय विधायक महेंद्र पाल सिंह और आनंद शाही के समर्थकों ने सड़क पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। थानाध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को थाने बुलाया ।

गोरखा रेजीमेंट के नायक का एम्स में हुआ सफल ऑपरेशन

गोरखपुर, (संवाददाता)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में गोरखा सैनिक नायक लेलिन धेंगा का सफल ऑपरेशन किया गया। गोरखा रेंजीमेंट के लेलिन मंगलवार की रात को नेपाल में एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें पास के मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। प्रारंभिक जांच में ही सामने आया कि उनके मस्तिष्क में रक्त का थक्का (बाएं टेम्पोरल कंट्यूशन के साथ बाएं फ्रंटोटेम्पोपेरिएटल एक्यूट एसडीएच और सबराचनोइड हेमरेज) पाया गया। ऐसे में उन्हें तत्काल न्यूरोसर्जिकल चिकित्सक की सलाह लेने के लिए कहा गया। पहले वायुसेना के अस्पताल में ही लेलिन को भर्ती करवाया गया, लेकिन बाद में एम्स रेफर किया गया। जहां उपचार के बाद अब वो स्वस्थ हैं। दुर्घटना के बाद गोरखपुर के वायुसेना अस्पताल के जिम्मेदारों ने भी इस संबंध में पहले से ही गोरखपुर स्थित एम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज कनौजिया और ईडी विभा दत्ता को जानकारी दे दी थी। जानकारी के मुताबिक बुधवार को रात 10रू35 बजे वायु सेना अस्पताल के वार्ड में लेलिन पहुंचे। एम्स के न्यूरो सर्जन डॉ. नीरज कनौजिया ने वहीं इलाज शुरू किया। सीटी स्कैन के बाद तत्काल सर्जरी की सलाह दी गई। डॉ. कनौजिया ने वायु सेना अस्पताल के डॉक्टरों को मरीज की तंत्रिका संबंधी स्थिति बिगड़ने की सूचना दी। मरीज को लखनऊ के सैन्य अस्पताल में स्थानांतरित करने को लेकर कुछ असमंजस की स्थिति थी, लेकिन डॉ. कनौजिया ने मरीज की जान बचाने के लिए उसे तुरंत एम्स, गोरखपुर में स्थानांतरित करने पर जोर दिया। एम्स, गोरखपुर की एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टीम को भी सूचित कर दिया गया। 22 तारीख की रात दो बजे मरीज को एम्स के न्यूरोसर्जरी ऑपरेशन थिएटर में भर्ती कराया गया।

1400 विदेशियों से करोड़ो रुपये की ठगी गोरखपुर में गैंग के 6 सदस्य गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। अमेरिका, कनाडा, हांगकांग, ब्रिटेन और लेबनान निवासी 1400 लोगों से ठगी करने वाले संगठित गिरोह का चिलुआताल पुलिस ने पर्दाफाश किया है। फर्जी कॉल सेंटर के जरिये यह गिरोह स्वास्थ्य बीमा, टैक्स रिफंड और योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर शिकार बनाता था। दबिश के दौरान पश्चिम बंगाल के कोलकाता व यूपी के लखनऊ, बलरामपुर और गोरखपुर के पांच युवकों व एक युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 28 लैपटॉप, 37 हेडफोन, दो राउटर, कई मोबाइल फोन, कॉलिंग स्क्रिप्ट, ई–मेल डेटा और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गिरोह का संचालन करीमनगर स्थित तीन

मंजिला मकान से बीते छह माह से किया जा रहा था। रात सात बजे से सुबह चार बजे तक यह कॉल सेंटर सक्रिय रहता था। अमेरिकी नागरिकों से कॉल वीसी डायल एप आधारित सिस्टम के जरिये बात की जाती थी। एजेंट फर्जी अमेरिकी नामों जैसे जॉन, जॉर्ज लेविस से खुद को परिचित कराते और स्वास्थ्य बीमा, टैक्स रिफंड या यूएस सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने का भरोसा देते थे। जैसे ही कोई नागरिक उनके झांसे में आ जाता, कॉल संचालक को फारवर्ड कर दिया जाता। बैंकिंग प्रक्रिया के नाम पर व्यक्ति से बड़ी रकम ऐंठ ली जाती थी। मामले की जांच जारी है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। उन्हें ट्रेस भी जा रहा है। स्थानीय पुलिस और साइबर टीम मिलकर पूरे नेटवर्क को तोड़ने में । जल्द ही अन्य आरोपी भी गिरफ्तार कर जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस लाइन में कराई गई परेड रिहर्सल

भदोही, (संवाददाता)। पुलिस लाइन मैदान में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस की रिहर्सल परेड कराई गई। इस दौरान टोली और दस्तों में शामिल जवानों ने रिहर्सल किया। एसपी अभिमन्यु मांगलिक की देखरेख में जवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। वैसे तो गणतंत्र दिवस की तैयारी सप्ताह भर से चल रही है, लेकिन शुक्रवार को दस्तों में शामिल पुलिस टीम ने एक घंटे से अधिक रिह। रिहर्सल परेड में फायर और मार्च दर्शनीय रहा। टोली और दस्तों में शामिल जवानों ने अपना कौशल दिखाया। गणतंत्र दिवस पर आठ से 10 टोलियां प्रतिभाग करेंगी। इनमें रिक्रूट आरक्षी, पुलिस कार्यालय, महिला पुलिस और यातायात पुलिस की टोली शामिल हैं। इनमें बाइक स्क्वायड दस्ता, यूपी 112, सीसीटीएनएस शाखा, रेडियो शाखा, स्वाट–सर्विलांस, एंटी सेबोटॉज, यातायात पुलिस और अग्निशमन पुलिस का दस्ता शामिल रहेगा।

औराई के तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार समेत 12 कोर्ट में तलब

भदोही, (संवाददाता)। विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट की अदालत ने औराई के जाठी गांव में भूमिधरी जमीन पर बने दिव्यांग के प्रधानमंत्री आवास गिराने के आरोप में एसडीएम और तहसीलदार समेत 12 राजस्व एवं पुलिसकर्मियों को तलब किया है। सभी को 17 फरवरी 2026 को उपस्थित होने का आदेश दिया। सभी के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर पूर्व में प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। औराई तहसील के जाठी, रामापुर गांव निवासी रविशंकर ने विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट की अदालत में अपील दाखिल करते हुए बताया कि गांव में उसकी जमीन 50 वर्ष पूर्व उसके पिता के जमाने से है। जिस पर कच्चा मकान बनाकर रहते थे। तीन साल पहले उनकी बहू गीता देवी पत्नी रविन्द्र कुमार के नाम पर पीएम आवास आवंटित हुआ। जिसके बाद अपना पुश्तैनी कच्चा मकान गिराकर पक्का मकान बनवाया। इनके जमीन के पश्चिम तरफ गांव के ही सत्यदेव दूबे की जमीन है। जिसकी चहारदीवारी उसने 10 साल पहले ही करा ली थी। आरोपी सत्यदेव ने राजस्व विभाग के द्वारा पैमाइश कराई। जिस पर लेखपाल ने रिपोर्ट लगाई कि पीड़ित ने अभियुक्त के जमीन पर तीन फीट अतिक्रमण कर लिया है। जिस पर बेदखली का आदेश जारी हुआ। आदेश के बाद 11 अक्तूबर 2023 को सभी मौके पर पहुंचे और तीन फीट की बजाय उनके पूरे पीएम आवास का ध्वस्त कर दिया और धमकी भी दी। पीड़ित ने बताया कि उसने ज्ञानपुर कोतवाली में इसकी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन एफआईआर नहीं दर्ज की गई। कोर्ट ने पूरे मामले को संज्ञान में लिया। कोर्ट के आदेश पर पांच सितंबर 2024 में आरोपी सत्यदेव दुबे के अलावा औराई के तत्कालीन एसडीएम आकाश कुमार, तत्कालीन तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति, तत्कालीन नायब तहसीलदार बलवंत उपाध्याय के साथ राजस्व निरीक्षक बैकुंठ नाथ, लेखपाल सतीश जायसवाल, तत्कालीन एसआई धीरेन्द्र यादव, कांस्टेबल शंभूनाथ के साथ चार अन्य पुलिस व कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। विवेचना के बाद विवेचक ने अंतिम आख्या न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिसके खिलाफ वादी ने प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अभियुक्तगण को विचारण के लिए याचना की गई।

लोन नदी के पुल की दीवार से टकराई तेज रफ्तार बाइक, ममेरे भाई सहित तीन लोगों की मौत

उन्नाव, (संवाददाता)। उन्नान में अचलगंज–पुरवा मार्ग पर भूलेमऊ गांव के सामने मोड़ पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर लोन नदी पुल की दीवार में टकरा गई। हादसे में ममेरे भाई सहित तीन की मौत हो गई। वह हेलमेट नहीं लगाए थे। बीघापुर कोतवाली के अढोली गांव निवासी अनुराग (31) ममेरे भाई, बीघापुर कोतवाली के ही बैसनखेड़ा गांव निवासी राहुल (26) पुत्र कालीप्रसाद और पुरवा कोतवाली के तौरा गांव निवासी दोस्त सौरभ गौतम (25) पुत्र संतोष कुमार के साथ बाइक से रात 12:15 पर अचलगंज से पुरवा की ओर बाइक से जा रहे थे। बाइक अनुराग चल रहा था। अचलगंज–पुरवा मार्ग पर भूलेमऊ गांव के सामने मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर लोन नदी के पुल की दीवार में टकरा गई। हादसे में घायल अनुराग, राहुल और सौरभ गौतम को पुलिस स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया जहां डॉक्टर ने अनुराग और राहुल को मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक उपचार के दौरान सौरभ की भी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंचे परिजनों को तीनों की मौत का पता चला तो सभी बेहाल हो गए। से घर में कोहरा मच गया। मृतक अनुराग के चाचा नेत्रपाल ने बताया कि अनुराग ट्रक ड्राइवर था। राहुल दूध का काम करता था और सौरभ जेसीबी का चालक था। तीनों एक साथ बाइक से किसी काम से जाने की बात कह कर निकले थे। अनुराग और राहुल सौरभ को छोड़ने तारा गांव आ रहे थे। राहुल दो भाइयों में बड़ा और अनुराग तीन भाइयों में छोटा था। राहुल की मौत से मां रेनू और अनुराग की मौत से मां मुन्नी देवी सहित अन्य परिजन बेहाल हैं। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। मोड़ पर बाइक की रफ्तार तेज होने से हादसा होने का अनुमान है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दृष्टि और प्रांजल अव्वल

उन्नाव, (संवाददाता)। केंद्रीय विद्यालय में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में दृष्टि यादव और प्रांजल ने बाजी मारी। वहीं जूनियर वर्ग में नव्या सिंह, जायेश वर्मा और अरनव अव्वल रहे। दही चौकी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पराक्रम दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्कूलों के कुल 100 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इसके बाद विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य केपी यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं में राष्ट्रभक्ति, ज्ञानवर्धन, आत्मविश्वास और परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। इसके अलावा उन्हें परीक्षा में तनावमुक्त रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य संजय शर्मा,राजकुमार, संजय गुप्ता, नृपेंद्र कुमार, रंजीत यादव, शालिनी अस्थाना,जगदीश आदि मौजूद रहे।

घर बुलाकर युवक को पिलाई शराब, विवाद पर कुल्हाड़ी से हमला

उन्नाव, (संवाददाता)। बिरसिंघी गांव में पड़ोसी युवक राहुल को फोन कर घर बुलाकर शराब पिलाई। इसी दौरान हुई आपसी कहासुनी में उसके साथ मारपीट की गई और कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया गया। घायल युवक को नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। माखी थानाक्षेत्र के बिरसिंघी गांव निवासी रामसेवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 जनवरी की रात करीब 10 बजे उनके बेटे राहुल को पड़ोसी मनोज ने फोन कर घर बुलाया था। आरोप है कि मनोज ने राहुल को घर के अंदर बंद कर लिया और अपने साथियों के साथ मिलकर उसे लाठी–डंडों से पीटा। इसके बाद कुल्हाड़ी से भी वार कर घायल कर दिया। राहुल के शोर मचाने पर परिजन उसे गंभीर अवस्था में नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष योगेश कुमार सिंह ने बताया कि घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मनोज, मनोहर और मोहन के खिलाफ धारदार हथियार से जानलेवा हमला और मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी दोस्त हैं और शराब के नशे में हुए विवाद के चलते यह घटना हुई। मामले की जांच की जा रही है।

पिता–पुत्र की मौत में ससुराल वालों पर लगाए गंभीर आरोप

उन्नाव, (संवाददाता)। संडीला–बांगरमऊ मार्ग पर शारदा नहर पुल के पास बृहस्पतिवार को ऑटो की टक्कर से बाइक सवार पिता–पुत्र की मौत की घटना में पोस्टमार्टम आए मृतक के पिता ने बेटे के ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा कि इन लोगों ने बेटे को पीटा था, उसी से बचने के लिए वह बेटे को लेकर बाइक से भागा था और यह घटना हो गई। लखनऊ जिले के थाना रहीमाबाद के फतेहपुर मवई गांव निवासी पवन कुमार (25) पुत्र सियाराम बृहस्पतिवार को मायके में रह रही पत्नी प्रीति और तीन साल के बेटे यश को लेने बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के खंभौली गांव लेने आया था। प्रीती के पिता रामनारायन ने पुलिस को बताया था कि बेटी ससुराल जाने की तैयारी कर रही थी तभी पवन बेटे यश को बाइक में बिठाकर घुमाने निकला था और ऑटो से टकरा गया था। घटना में पिता–पुत्र की मौत हो गई थी।

रिकन ब्यूटी एंड हेयर स्पेशलिस्ट
डा. मोहम्मद हन्नान
M.B.B.S., M.D. (USSR)
पूर्व चिकित्साधिकारी दी लेप्रोसी मिशन हॉस्पिटल, टी0एल0एम0 हास्पिटल
सभी प्रकार के चर्म रोगों, बाल एवं सौंदर्य समस्याओं के लिए मिले
प्रत्येक मंगलवार सायं 4 से 7 बजे तक
: स्थान :
सिटी फार्मेसी
पता : डा. सैनी के ठीक सामने, वजीरगंज जप्ती, देवकाली, अयोध्या
सम्पर्क सूत्र
8858587475
9839436463

ताला तोड़कर चोरों ने पार किए नकदी और जेवर

उन्नाव, (संवाददाता)। रानीगंज गांव में बंद घर से चोरों ने लाखों रुपये के सामान पार कर दिए। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया। गृहस्वामी के गुजरात में होने के कारण चोरी गए सामान का सही आकलन नहीं हो सका है। अचलगंज थानाक्षेत्र के रानीगंज गांव निवासी जगन्नाथ पाल सूरत में नौकरी करते हैं और परिवार सहित वहीं रह रहे हैं। बृहस्पतिवार की रात चोरों ने उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने चार कमरों में रखे बक्से और अलमारी तोड़कर उसमें रखे जेवर व अन्य कीमती सामान चुरा लिया। शुक्रवार सुबह मोहल्ले के लोगों ने मुख्य गेट का ताला टूटा देखा तो हलचल मच गई। पड़ोसियों ने गृहस्वामी गंगासागर को सूचित किया। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष बृजेश कुमार शुक्ल ने बताया कि गृहस्वामी के घर लौटने पर तहरीर के आधार पर आगे की जांच की जाएगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।